पवित्र किया।

किया जा सकता हैं।

उदासीनता और लापरवाही पर कुलपति नाराज

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो
uttarbharatlive.com

- यूटीयू की ऑनलाइन बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक
- द्वितीय वर्ष से अंतिम वर्ष तक के सभी पाठ्यक्रमों के सिलेबस निर्माण की तैयारी

देहरादून। वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय यूटीयू की बोर्ड ऑफ स्टडीज की ऑनलाईन बैठक सम्बद्ध संस्थानों के निदेशकों व सभी पाठ्यक्रमों के बीओएस चेयरपर्सन व कन्वीनर्स के साथ कुलपति प्रो. ओंकार सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को आयोजित की गई।

बैठक में द्वितीय वर्ष से अंतिम वर्ष तक के सभी पाठ्यक्रमों को तैयार किये जाने के स बंध में चर्चा की गई। बैठक क दौरान कुलपति द्वारा सभी संस्थानों के निदेशकों व बोर्ड आफ स्टडीज के समस्त चेयरपर्सन्स व कन्वीनर्स को इस अपेक्षा के साथ निर्देशित किया गया कि समयबद्ध रूप से सभी पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष के अग्रेत्तर वर्षों द्वितीय वर्ष से अंतिम वर्ष तक के पाठ्यक्रमों का निर्माण नई शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत तैयार किया जाय। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सभी आवश्यक कार्यवाही करते हुए बीओएस की ऑफलाइन बैठक दिसम्बर, 2022 के प्रथम सप्ताह में आयोजित की जायेगी ताकि पाठ्यक्रम निर्माण का कार्य दिसम्बर 2022 तक सम्पन्न किय जा सके। वहीं कुलपति ने बैठक में संस्थान निदेशकों से वर्तमान में संचालित हो रही कक्षाओं में पठन-पाठन की समीक्षा कर अध्यापन प्रगति से संबंधित फीड़बैक प्राप्त करते हुए यह भी निर्देशित किया गया कि यदि सिलेबस पूरा किये जाने के लिए अतिरिक्त कक्षाएं संचालित किये जाने की आवश्यकता हो तो निश्चित रूप से अतरिक्त कक्षाएं भी संचालित की जाय ताकि समय पर सेमेस्टर परीक्षाएं करायी जा सके कुलपति ने संस्थानों को कहा कि प्रथम वर्ष के लिए निर्मित नये पाठ्यक्रम एवं ऑर्डिन सेज जो कि सभी संस्थानों में सत्र 2022-23 से लागू किया गया है के बारे में छात्र-छात्राओं को अनिवार्य रूप से अवगत करायें ताकि छात्रों को नये पाठ्यक्रम और ऑर्डिनेंसेज में दिये गये नये नियमों की जानकारी हो और उसके अन रूप अपनी पढ़ाई कर सकें। बैठक में उन्होंने निद शकों से कहा कि छात्र-छात्राओं की कक्षाओं में उपस्थिति नियामक संस्थाओं द्वारा निर्धारित न्यूनतम उपस्थिति के मानकों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करवाया जाय उन्होंने कहा कि कक्षाओं में छात्रों की अनिवार्य उपस्थिति क सन्दर्भ में वह पूर्व में भी कई बार संस्थानों को अवगत करा चुके हैं। कुलपति ने बैठक के दौरान संस्थानों से कहा कि अपने स्तर पर स्ट्रडेन्ट डिपटमेंट में गॉल चिन्हित करें और उनका समाधान ढूंढने के लिए प्रोजेक्ट्स व अन्य गतिविधियों के माध्यम से कार्य करें। सन्दर्भ में संस्थानों की उदासीनता व लापरवाही पर कुलपति ने नाराजगी व्यक्त की और कहा कि यदि इस तरह से आप लोग उदासीन और लापरवाह रहेंगे तो किस तरह से छात्रों और सस्थानों व समाज का विकास होगा।